उत्तराखंड की पहली योग नीति

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ीसैंण में 11वें **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** के अवसर पर राज्य की पहली **योग नीति** का शुभारंभ किया।

- साथ ही गढ़वाल और कुमाऊँ क्षेत्रों में '**आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र**' (Spiritual Economic Zones) के निर्माण की भी घोषणा की गई।

मुख्य बिंदु

- **योग नीति के बारे में:**
  - इसका उद्देश्य उत्तराखंड को योग और कल्याण की वैश्विक राजधानी के रूप में विकसित करना है।
  - यह नीति **'हर घर योग, हर व्यक्ति को स्वास्थ्य'** की अवधारणा को बढ़ावा देती है, जिसमें केंद्र सरकार का सहयोग प्राप्त है।
- **वित्तीय प्रावधान:**
  - इस नीति के तहत **योग और ध्यान केंद्रों** की स्थापना के लिये **अधिकतम 20 लाख रुपए** तक की सब्सिडी दी जाएगी।
  - **योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों** को अधिकतम **10 लाख रुपए तक का अनुदान** प्रदान किया जाएगा।
- **कार्यान्वयन लक्ष्य:**
  - **मार्च 2026** तक राज्य के सभी **आयुष स्वास्थ्य** और **वेलनेस केंद्रों** पर योग सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।
  - वर्ष 2030 तक राज्य में पाँच नए योग केंद्र विकसित किये जाएंगे।
- **आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र:**
  - इन क्षेत्रों को आयुर्वेद, योग और आध्यात्मिक पर्यटन के लिये अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।
  - इन क्षेत्रों के माध्यम से **राज्य में नए रोज़गार के अवसर** सृजित होंगे।
  - यह पहल स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराकर पहाड़ी क्षेत्रों से **पलायन को रोकने** में सहायक सिद्ध होगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के बारे में:**
  - **शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण** के लिये योग के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा इसके अभ्यास के माध्यम से वैश्विक **सद्भाव और शांति** को बढ़ावा देने के लिये पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।
- **उद्गम और संयुक्त राष्ट्र की घोषणा:**
  - इसका प्रस्ताव भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा **के 69वें सत्र (2014)** में रखा गया था, जिसके परिणामस्वरूप **21 जून** को **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY)** घोषित किया गया।
  - पहला योग दिवस वर्ष **2015** में मनाया गया था, जिसकी थीम थी: **"Yoga for Harmony and Peace" (सामंजस्य और शांति के लिये योग)।**
  - वर्ष 2025 का विषय है **"एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग"।**
- **21 जून का महत्त्व:**
  - यह तिथि ग्रीष्म अयनांत **(Summer Solstice)** के साथ संयोग रखती है, जो **उत्तरी गोलार्द्ध** में वर्ष का सबसे **लंबा दिन** होता है। योग परंपरा में यह दिन **प्रकाश, ऊर्जा तथा आध्यात्मिक जागरण** का प्रतीक माना जाता है।
- **वैश्विक मान्यता:**
  - **यूनेस्को** ने वर्ष **2016** में योग को मानवता की **अमूर्त सांस्कृतिक विरासत** के रूप में मान्यता दी।
  - विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने योग को मानसिक और शारीरिक कल्याण और **गैर-संक्रामक रोगों (NCDs)** से निपटने के एक प्रभावी साधन के रूप में मान्यता दी है तथा इसे अपने **वैश्विक कार्य योजना (2018–30)** में शामिल किया है।
  - वर्ष **2015** में भारत के **युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय** ने योग को एक **'प्राथमिकता' खेल अनुशासन** के रूप में वर्गीकृत किया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhands-first-yoga-policy